नव भारत साक्षरता कार्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 2020, 15 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले उन सभी व्यक्तियों को पढ़ने और लिखने के अवसर उपलब्ध कराने पर बल देती है जो मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान अर्जित नहीं कर पाए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 2020 की इसी अनुशंसा को ध्यान में रखते हुए 01 अप्रैल, 2022 से राष्ट्रीय स्तर पर नव भारत साक्षरता कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। पूर्व में इसे प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम (पढ़ना–लिखना अभियान) के नाम से जाना जाता था।

कार्यक्रम के उद्देश्य :

1. नव साक्षरों को आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान अर्जित करने के अवसर प्रदान करना।
2. 21वीं सदी के महत्वपूर्ण जीवन कौशल जैसे वाणिज्यिक कौशल, स्वास्थ्य देखभाल और साक्षरता, व्यावसायिक विकास कौशल, बुनियादी शिक्षा पर नव साक्षरों का संवेदीकरण करना।
3. कला, विज्ञान प्रौद्योगिकी, संस्कृति, खेल और मनोरंजन पर आधारित पाठ्यक्रम के माध्यम से नव साक्षरों का क्षमता अभिवर्धन करना।

संबंधित साहित्य :

1. 'नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' से संबंधित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰ नई दिल्ली द्वारा नव साक्षरों के लिए **'उजास'** नाम से प्रवेशिका बनाई गई है। यह चार भागों में तैयार की गई है। इसमें 13 विषयों को सम्मिलित किया गया है। ये विषय हैं–
    I. परिवार और पड़ोस
    II. बातचीत
    III. हमारे आस–पास

IV. खान–पान और स्वास्थ्य

V. मतदान

VI. कानूनी जानकारी

VII. आपदा प्रबंधन

VIII. समय

IX. यात्रा

X. मनोरंजन

XI. वित्तीय साक्षरता

XII. डिजिटल साक्षरता

XIII. पर्यावरण के प्रति जागरुकता

'उजास' में इन विषयों पर आधारित भाषा और संख्या ज्ञान से जुड़ी सामग्री दी गई है।

2. उजास प्रवेशिका में सम्मिलित बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान संबंधी शिक्षा बिन्दुओं पर आधारित ऑनलाइन मॉड्यूल तथा वीडियों भी एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰ नई दिल्ली द्वारा तैयार किए गए हैं। यह सामग्री दीक्षा मंच (दीक्षा पोर्टल पर 'सभी के लिए शिक्षा वर्टिकल) पर उपलब्ध हैं।

एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰ नई दिल्ली के तत्वावधान में एस॰सी॰ई॰आर॰टी॰ उत्तराखण्ड द्वारा कृत कार्य :

1. नव साक्षरों के लिए स्थानीय भाषाओं– गढ़वाली और कुमाऊँनी में संसाधन सामग्री के विकास हेतु एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰ नई दिल्ली के तत्वावधान में 15 से 19 नवम्बर, 2022 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अल्मोड़ा में कार्यशाला का आयोजन।
2. नव साक्षरों के लिए उत्तराखण्ड की स्थानीय भाषाओं गढ़वाली और कुमाऊँनी में संसाधन सामग्री के परिवर्धन के लिए 12 से 14 दिसम्बर, 2022 को एस॰सी॰ई॰आर॰टी॰ हिमाचल प्रदेश, सोलन के सहयोग से डॉ॰ यशवंत परमार कृषि विश्वविद्यालय सोलन में कार्यशाला का आयोजन।
3. संसाधन/जागरुकता सामग्री के परिमार्जन के लिए 12 से 16 दिसम्बर, 2022 को ऑनलाइन मोड में कार्यशाला का आयोजन।

4. स्थानीय भाषाओं में प्रश्नपत्रों के विकास हेतु में 19 से 23 दिसम्बर, 2022 को ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन।
5. नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए 30 जनवरी, 2023 से 3 फरवरी, 2023 तक एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰ नई दिल्ली के तत्वावधान में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रौढ़ एवं सतत साक्षरता विभाग में मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण।
6. नव साक्षरों के लिए उत्तराखण्ड की स्थानीय भाषाओं (गढ़वाली और कुमाऊँनी) में पोस्टर तथा जागरुकता नारों तथा लघुगीतों का विकास।
7. नव साक्षरों के लिए उत्तराखण्ड राज्य की विशिष्टताओं को ध्यान में रखते हुए आकलन तथा कार्यपत्रकों का विकास कर एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰ नई दिल्ली को प्रेषण।

आगामी कार्ययोजना :

1. राज्य स्तर पर नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के विविध पक्षों पर संवेदीकरण हेतु मास्टर ट्रेनरों का विकास।
2. नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के विविध पक्षों पर प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनरों द्वारा जनपद स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।
3. एस॰सी॰ई॰आर॰टी॰ उत्तराखण्ड द्वारा एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰ नई दिल्ली के सहयोग से 'नवभारत साक्षरता कार्यक्रम' से संबंधित संसाधन सामग्री पर डायट के संकाय सदस्यों का अभिमुखीकरण।
4. राज्य साक्षरता अभियान प्राधिकरण को कार्यक्रम के क्रियान्वयन में अकादमिक अनुसमर्थन प्रदान करना।